17/02/24

Mahila college Dalmianagar (Rohtas)
Deptt of Psychology
B.A II (Hons) Group-A
Dr. ...

(1) क्रॉस - सांस्कृतिक शोध Research method
Cross - cultural Research

What do you mean by Cross culture Research discuss its importance.

Cross-culture Research वह Research है जिसमें दो या अधिक संस्कृतियों (culture) का तुलनात्मक अध्ययन किसी खास criteria के आधार पर किया जाता है। जैसे - यदि Intelligence और creativity के दृष्टिकोण से tribal culture का तथा Non-tribal culture का तुलनात्मक अध्ययन किया जाए तो यह cross-culture Research का उदाहरण होगा।

Reber (1984) ने कहा है "cross-culture research वह research है जिसमें ~~...~~ विभिन्न सांस्कृतिक विभाजनों जैसे बच्चों का लालन पालन, साक्षरता, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न संस्कृतियों के प्राप्तांक - प्रतिरूपों की तुलना की जाती है"

उपरोक्त परिभाषाओं के आधार पर cross-culture research की निम्न बिन्दुओं में बाँट सकते हैं।

(i) इसमें दो अलग-2 संस्कृतियों का अध्ययन किया जाता है।
(ii) यह शोध की इकाई नहीं बल्कि समूह या संगठन होता है।
(iii) इस शोध में संस्कृतियों का अध्ययन कुछ सांस्कृतिक विभाजों, मापदण्डों के आधार पर किया जाता है।
(iv) इसमें व्यक्तिक भिन्नता को स्थिर रखा जाता है और सांस्कृतिक भिन्नता को अध्ययन केन्द्र माना जाता है।
(v) इस शोध में स्वतंत्र चर ज्ञात होता है और आश्रित चर अज्ञात होता है।

इस प्रकार स्पष्ट हो जाता है कि cross-culture Research की कई विशेषताएँ होती हैं। इससे यह प्रयोगात्मक और अप्रयोगात्मक शोधों से भिन्न होता है।

इसकी उपयोगिताओं को देखते हुए मनोवैज्ञानिकों ने भी इसका व्यवहार शुरु किया। आज इसका प्रयोग मनोविज्ञान तथा अन्य सामाजिक विज्ञानों में व्यापक रूप से किया जाता है। इसके निम्नलिखित गुण हैं जिसके कारण इसे अपनाया जाता है।

(i) अन्तर - सांस्कृतिक शोध का सत्यापन — अन्तर सांस्कृतिक शोध के आधार पर किसी एक संस्कृति से सम्बद्ध जो परिणाम प्राप्त होता है उसकी जाँच cross-culture research के आधार पर दूसरी संस्कृतियों में की जाती है।

(4)

(ii) Theory Testing — Cross-culture Research को प्रचलित सिद्धान्त की जाँच करने में आवश्यकता किसी भी मनोवैज्ञानिक प्रयोगशाला या में प्राप्त परिणामों पर आधारित सिद्धान्त की पुनरावृत्ति cross culture research में की जाती है।

(iii) Theory building — cross cultural research के आधार पर प्राप्त परिणामों के आलोक में पुराने सिद्धान्त का परिमार्जन तथा नये सिद्धान्त किया जाता है इसकी पुष्टि मोहन्तिय ने भी की है।

(iv) Theory generalization — cross-culture research से किसी सिद्धान्त के सामान्यीकरण में मदद मिलती है। जो सिद्धान्त किसी एक संस्कृति या समाज में किये गये अध्ययनों पर आधारित होता है, cross-cultural studies के आलोक में उसमें बदलाव लाकर इस योग्य बना दिया जाता है कि वह अधिकांश संस्कृतियों या समाजों पर लागू हो सके।

(v) Wide variability — इस Research की एक वैज्ञानिक विशेषता यह है कि यह Researcher को इस योग्य बना देता है कि वह अध्ययन के लिए चुने गये चर या चरों प्रसार को बढ़ा सकता है तथा सांख्यिकीय निरूपण को उन्नत बना सकता है।

(vi) Comparative study of various cultures — इस विधि से किसी भी संस्कृतियों का तुलनात्मक अध्ययन संभव हो पाता है। यह गुण दूसरे अनुसंधानों में नहीं है।

(vii) पालन पोषण पद्धति का अध्ययन — विभिन्न संस्कृति के बच्चों के पालन-पोषण पद्धतियाँ प्रायः भिन्न हुआ करती है इससे उनका व्यक्तित्व शीलगुण निर्धारण होता है। प्रचलित बच्चों के पालन-पोषण के पद्धति के प्रभावों का अध्ययन इस विधि द्वारा सरलता से किया जाता है। कुछ समाज में दूध छोड़ाई की अधिकतम आयु 2 वर्ष और किसी-2 समाज में यह 5 वर्ष मानी जाती है दूध छुड़ाई की आयु तथा संवेगात्मक उपद्रव के बीच एक गहरा सम्बन्ध पाया जाता है।

(viii) ~~Role of Sex Study~~

Study of Sex Role — Cross culture research के आधार पर विभिन्न समाज और संस्कृतियों पर